



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 556]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 6, 1983/अग्रहायण 15, 1905

No. 556]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 6, 1983/AGRAHAYANA 15, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1983

का० भा० 901 (अ)।—केंद्रीय सरकार की यह राय है कि चाय के, जो एक आवश्यक वस्तु है, प्रसार को बनाए रखने के लिए और उसका साम्यापूर्ण वितरण सुनिश्चित करने के लिए, ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है ;

अतः अब केंद्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न-लिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ।—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम चाय (व्यवहारियों का रजिस्ट्रारण और स्टॉको की घोषणा) आदेश, 1983 है ।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा ।

2. परिभाषाएँ।—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) "कमीशन अधिकर्ता" में ऐसा कमीशन अधिकर्ता अभिप्रेत है जिसे ऐसे अधिकर्ता के रूप में कार्रवार के रुहिक अन्तर्गत में चाय बेचने का या चाय बेचने के प्रयाजनों के लिए चाय को परीक्षण करने का, या चाय खरीदने का प्राधिकार प्राप्त है ;

(ख) "व्यवहारी" से चाय का व्यवहारी अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत दलाल, कमीशन अधिकर्ता, जिनमिना और गोदाम रक्षक भी हैं :—

(ग) "राज्य आदेश" में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) के उपबंधों के अधीन किसी राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा चाय के संबंध में जारी किया गया और तत्समय प्रवृत्त आदेश अभिप्रेत है ;

(घ) "चाय" में कमलिया साहनेन्सिम (एल) ओ कुन्तजे नामक पौधा, और साथ ही उक्त पौधे की पत्तियों से बने उत्पाद की, जो वाणिज्य जगत में चाय के नाम से, जिनके अन्तर्गत हरे चाय भी हैं, जाना है, सभी किस्में अभिप्रेत हैं.

(ङ) "गोदाम रक्षक" में ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके स्वामित्व में ऐसा कोई गोदाम हो या जो ऐसा कोई गोदाम बनाए रखता हो जहाँ नीलाम द्वारा अथवा अन्य प्रकार से बिर्का के प्रयोजनार्थ चाय का भण्डारण किया जाता है.

(च) यहाँ प्रयुक्त किन् अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो उक्त क्रमण चाय अधिनियम 1953 (1953 का 29) में दिए गए हैं ।

3. व्यवहारियों का रजिस्ट्रारण।—किसी राज्य आदेश में किसी बात के होते हुए भी, इस आदेश के प्रवृत्त होने से 30 दिन की अवधि का अवसर होने के पश्चात् कोई व्यक्ति, यदि उसके कर्तव्य में चाय का 1000

किलोग्राम से अधिक स्टॉक हो तो, व्यवहारी के रूप में तब तक कोई कार-बार नहीं करेगा जब तक कि वह राज्य आदेश के उपबन्धों के अनुसार इस रूप में रजिस्ट्रीकृत न हो।

4. विवरणियाँ: प्रत्येक व्यवहारी ऐसे प्राधिकारी को, जिसे राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस निमित्त राज्य सरकारें विनिर्दिष्ट करें, अपने द्वारा खरी गई चाय के अपने स्टॉक को, जिसका 1000 किलोग्राम से अधिक हो, एक मासिक विवरणी देगा।

5. राज्य आदेशों का लागू होना :— राज्य आदेशों के उपबन्ध ऐसे किसी मामले की बाबत लागू होंगे जिसके लिए उस आदेश में विनिर्दिष्टतया कोई भी उपबन्ध नहीं किया गया है।

[फाइल सं० बी०-11015(4)/83-प्लांट 'अ']

जे० के० बागची, मंगल मन्त्र

## MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

### ORDER

New Delhi, the 6th December, 1983

S.O.901(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies of tea, an essential commodity, and for securing its equitable distribution;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1983.

(2) It shall come into force at once.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) “commission agent” means a commission agent having in the customary course of business as such agent authority either to sell tea, or to consign tea for the purpose of sale or to buy tea;

(b) “dealer” means a dealer in tea, and includes a broker, commission agent, manufacturer and a warehouse keeper;

(c) “State Order” means any Order issued by the State Government or Union Territory Administration under the provisions of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) in relation to tea and in force for the time being ;

(d) “tea” means the plant *Camellia Sinensis* (L) O. Kuntze as well as all varieties of the product known commercially as tea made from the leaves of the said plant, including green tea;

(e) “warehouse keeper” means a person who owns or maintains a warehouse wherein tea is stored for the purposes of sale either by auction or otherwise;

(f) words and expressions used but not defined herein shall have the meanings respectively assigned to them in the Tea Act, 1953 (20 of 1953).

3. Registration of dealers.—Notwithstanding anything contained in any State Order, after the expiration of a period of 30 days from the coming into force of this Order, no person shall, if the stocks of tea in the possession exceed 1,000 kilograms, carry on business as a dealer unless he is registered as such in accordance with the provisions of a State Order.

4. Returns.—Every dealer shall furnish fortnightly return to such authority as may be specified by the State Government in this behalf by notification in the Official Gazette in respect of such stocks of tea held by him as are in excess of 1,000 kilograms.

5. State Orders to apply.—The provisions of the State Orders shall apply in respect of any matter for which no provision has been specifically made in this Order.

[F. No. B-11015(4)/83-Plant A]

J. K. BAGCHI, Jt. Secy.